2

सीख

अ आ इ ई पढ़ू-लिखू ।
उ सँ उल्लू ऊन सिखू ।।
ए ऐ ओ औ अं अंगूर ।
अज्ञानीक दु:ख होएत दूर ।।

क ख ग घ ङ कतार ।
च छ ज झ ञ झंकार ।।
ट ठ ड ढ ण टवर्ग ।
धरती पर आनक अछि स्वर्ग ।।

त थ द ध न नमहर ।
बिनु पढ़ने जयबें किमहर ।।
प फ ब भ म मुस्कान ।
विद्या छीनि सकत ने आन ।।

य र ल व श शुभ काज ।
अनपढ़ लेल नहि नीक समाज ।।
ष स ह क्ष हकार ।
बुड़िबक बौआ लगैछ बेकार ।।

उपेन्द्र नाथ झा 'व्यास'

प्रश्न ओ अभ्यास

1. कवितासँ

1. पाठमे आयल देवनागरी लिपिक वर्णकेँ लिखू ।
2. पाठमे अ वर्णसँ बनल शब्दकेँ ताकिकय लिखू ।
3. कतार शब्दमे कोन कोन वर्ण अछि ?
4. पाठमे एकटा शब्द आयल अछि नमहर, एहिसँ मिलैत-जुलैत दोसर शब्द लिखू ।

2. शब्द बनाउ

च -	चपल, चंचल, चरण, चाकर, चरब
प -	.....
ट -	.....
द -	.....
ग -	.....

3. नीचाँक तालिकासँ शब्द बनाउ

जेना - प र व ल - परवल ।

प	च	म	य	स
र	ल	ध	ब	द
व	झ	न	ह	ज
ग	ट	घ	फ	थ
क	छ	ड	झ	अ

4. नीचाँ देल गेल शब्दक वर्णकेँ अलग-अलग कय-कय लिखू

नमहर - न + म + ह + र

अनपढ़ - .....

कतार - .....

झंकार - .....

काज - .....

अंगूर - .....

5. भाषा अध्ययन

क	ख	ग	घ	ङ	– कवर्ग कहाइत अछि ।
च	छ	ज	झ	ञ	– चवर्ग कहाइत अछि ।
ट	ठ	ड	ढ	ण	– टवर्ग कहाइत अछि ।
त	थ	द	ध	न	– तवर्ग कहाइत अछि ।
प	फ	ब	भ	म	– पवर्ग कहाइत अछि ।
क्ष	त्र	ज्ञ			– संयुक्ताक्षर कहाइत अछि।
ङ	ञ	ण	न	म	– आनुनासिक वर्ण कहाइत अछि।

माने जानू

अज्ञानी	–	जकरा ज्ञान नहि होइक ।
आन	–	दोसर
अनपढ़	–	बिना पढ़ल